an>

title: Need to formulate a plan to check land erosion caused by rivers in Farrukhabad Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री मुकेश राजपूत (फरूखाबाद) : सभापति महोदय, हमारे देश में नदियों के कटान कहीं न कहीं देश के किसी न किसी क्षेत्र में होते रहते हैं। कुछ ऐसे विशिÂष्ट स्थान भी होते हैं, जहां अवसर नदियों के कटान होते रहते हैं, जिससे हमारे देश के किसानों की बेशकीमती कृÂिष भूमि कटान की वजह से बह जाती है और गांव के गांव नदी की जलधारा में कट कर बह जाते हैं और किसानों की जमा पूंजी, आय का साधन सभी कुछ नदी के कटान में चला जाता है, ये हालात तो तब होते हैं, जब नदियों में बाढ़ भी नहीं आती है और कटान होता है। जब बाढ़ की विभीÂिषका से नदी के तट पर रहने वाले किसानों का सामना होता है तो स्थिति और भी भयावह होती है।

अतः मैं सदन के माध्यम से तत्सम्बन्धित मंत्रालय से आग्रह करना चाहूंगा कि ऐसे नदी तट पर चिन्हित स्थानों पर बन्धे बनवाने का प्रबन्ध करें। मेरा संसदीय क्षेत्र फरूर्खाबाद (उत्तर प्रदेश) गंगा, रामगंगा और काली नदी से घिरा हुआ क्षेत्र है, जहां आये दिन इन नदियों में होने वाले कटान से हमारे क्षेत्र के किसानों को रूबरू होना पड़ता है। राज्य सरकारों के पास जिले के सिंचाई अधिकारी बांधों के निर्माण का एस्टीमेट प्रतिवÂर्ष भेजते रहते हैं, परन्तु राज्य सरकारें बजट न होने का कारण बताकर किसानों को उनके हाल पर छोड़ देती हैं।

अतः पुनः आपके माध्यम से आग्रह है कि इन कटानों को रोकने के लिए कोई ठोस कार्ययोजना बनाने का कष्Âट करें, जिससे कि नदियों के किनारे बसने वाले लोग भी खुशहाल रह सकें।